त्यागो इस पुरानी दुनिया के सारे भौतिक
स्वार्थ
मनुष्य से देवता बनने का करते जाओ पुरुषार्थ
जग में फैला अज्ञान अँधेरा जब से आया रावण
देह अभिमान आने का ये है सबसे बड़ा कारण
ओ मेरी ईश्वरीय सन्तानों करो ये श्रीमत
धारण
होकर क्षीरखण्ड कर लो सर्व विघ्नों का
निवारण
त्यागो कड़वी बोली मुख से करो मधुर
उच्चारण
छोड़ो अवगुण सारे करो दिव्य गुणों को धारण
बड़ा अमूल्य बच्चों ये जन्म अलौकिक हीरे
जैसा
देह अभिमान वश ना बनाओ इसे तुम कौड़ी
जैसा
बैठ जाओ एकांत में याद की तीखी दौड़ी
लगाओ
अपने पुरुषार्थ से खुद को महिमा लायक
बनाओ